हर आत्मा अलग है लेकिन गलत नहीं - शिवानी

नई दिल्ली। हमारी ज़िंदगी में वाह वाह क्यों नहीं है? क्योंकि हम यह समझते हैं कि सभी लोग हमारे अनुसार चलें। हमने मन में प्रोग्रामिंग की हुई है कि लोग हमारे अनुसार नहीं चलेंगे नहीं करेंगे तो हम खुश नहीं होंगे। हमें अपनी प्रोग्रामिंग बदलनी पड़ेगी कि कोई हमारे अनुसार चले या न चले हमें खुश रहना ही है। उक्त ब्रह्माकुमारीज़, लोधी रोड,नई दिल्ली तथा ऑयलइंडिया लिमिटेड,भारत सरकार के सहयोग से श्री सत्य साईं इंटरनैशनल सेंटर मेंआयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम ''वाह ज़िंदगी वाह'' में मुख्य वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि, हमें प्रथम चैप्टर में बताया जाता है, सबको आत्मा समझो, उनके अलग-अलग संस्कार हैं। हमें हर आत्मा को स्वीकार करना है, अस्वीकार करने का विचार नहीं आना चाहिए। हम किसी को राय दे सकते हैं, वह उसे स्वीकार करे या न

नई दिल्ली-लोधी रोड। कार्यक्रम के उद्घाटन के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में ए.के.पुरवाहा, वीना स्वरूप, ब्र.कु.शिवानी, ब्र.कु.पुष्पा एवं वी. ईश्वरैया। कार्यक्रम का लाभ उठाते श्रोतागण।

करे यह उसकी मर्जी है। हम अपने कार्मिक एकाउण्ट से नहीं बच सकते। हम उसे रोक नहीं सकते। उन्होंने आगे कहा कि, हमें किसी भी कठिन स्थिति में हमेशा यही कहना है वाह क्या दृश्य है। हरेक जगह निगेटिव/पॉज़ीटिव है। हमें केवल पॉज़ीटिव ही देखना है। हमें होम वर्क करना है, जिससे हमारी नहीं बनती है उसकी विशेषता लिखें। कोई न कोई विशेषता ज़रूर मिल ही जाएगी। फिर वह व्यक्ति अच्छा लगने लगेगा। इसके साथ ही उन्होंने सभी को गहन राजयोग का अभ्यास कराया तथा ज़िंदगी को बेहतर बनाने के लिए ब्रह्माकुमारी राजयोगा केन्द्र पर जाने का अनुरोध किया।

न्यायमूर्ति वी. ईश्वरैया, अध्यक्ष,राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग,नई दिल्ली ने अपना अनुभव सुनाते हुए कहा कि मुझे न्यायाधीश बनने से भी ज़्यादा खुशी तब हुई जब मैं परमात्मा का बच्चा बना। परमात्मा दुनिया को स्वर्ग बनाने का कार्य कर रहे हैं। हमें दैवीय गुण धारण करने हैं तभी हम नई दुनिया या स्वर्ग में जाने का भाग्य प्राप्त कर सकते हैं।

राजयोगिनी ब्र.कु.पुष्पा, निदेशिका,ब्रह्माकुमारीज़,करोल बाग,नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारी ज़िंदगी में वाह वाह पद के कारण नहीं लेकिन गुणों और मूल्यों के कारण होती है। ए.के.पुरवाहा, सीएमडी,इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान निस्वार्थ भाव से कार्य कर रही है तथा ज़िंदगी को खुशनुमा बनाने के लिए बहुत ही सरल तरीके से यहां पढ़ाया जाताहै। वीना स्वरूप,निदेशक मावन ससाधन, इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने कहा कि कार्यालय के कर्मचारियों में तनाव होने से उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ब्र.कु. डॉ. सविता आनंद,प्रिंसीपल चीफ कंज़रवेटर ऑफ फॉरेस्ट,राजस्थान सरकार ने भी अपने जीवन पेज 8 पर शेष

तनाव से बचने के लिए आध्यात्मिकता और भौतिकता का संतुलन ज़रूरी

रायपुर। वर्तमान सदी को तनाव और अवसाद की सदी कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। जीवन को तनाव से बचाने और सुखी बनाने के लिए आध्यात्मिकता और भौतिकता का सन्तुलन होना ज़रूरी है।

उक्त उद्गार उद्योग-व्यापार प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा थोक फल और सब्ज़ी विक्रेताओं के लिए आयोजित 'आध्यात्मिकता द्वारा मेरे व्यवसाय में उन्नति' कार्यक्रम में ब्र.कु. कमला,क्षेत्रीय प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़ ने व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि संकल्पों से हमारा मनोबल कम होता है। यदि जीवन को सुखी और सफल बनाना चाहते हैं तो संकल्पों में श्रेष्ठता लानी होगी, जो कि राजयोग द्वारा ही संभव है।

ब्र.कु. प्रियंका ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सारे दिन में हमारे मन में पच्चीस से तीस हज़ार विचार पैदा होते हैं। मुख्य तीन प्रकार के विचार होते हैं – व्यर्थ अथवा नकारात्मक, सकारात्मक और आवश्यक विचार। इनमें से व्यर्थ अथवा नकारात्मक विचार हमारे मन को कमज़ोर करते हैं। हमारे विचारों का प्रभाव वायुमण्डल और प्रकृति पर भी पड़ता है।

रायपुर। कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देते हुए ब्र.कु.कमला। साथ हैं डॉ. कमल किशोर राठी तथा अन्य।

ब्र.कु. उमा ने कहा कि आध्यात्मिकता से कोई भी कार्य को करना सहज हो जाता है। राजयोग का अभ्यास करने से हम मन और बुद्धि को संतुलित करना सीख जाते हैं। इससे हमें परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिलती है। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक डॉ. कमल किशोर राठी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का कुशल संचालन ब्र.कु.अदिति ने किया।

सकारात्मक चिंतन स्वस्थ व सुदृढ़ बनाता है-ब्र.कु.कविता

हिन्दी साहित्य समिति की सहभागिता से राजस्थान दिवस पर सप्तम् गौरव पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन

भरतपुर। हम अपनी संस्कृति को छोड़कर विदेशी संस्कृति की ओर दौड़ रहे हैं जिससे हमारा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक व आध्यात्मिक स्वास्थ्य दिन-प्रतिदिन रसातल को जा रहा है।

उक्त उद्गार गुनवती कुन्दनलाल पल्लीवाल जैन पुण्यार्थ प्रन्यास,भरतपुर द्वारा श्री हिन्दी साहित्य समिति की सहभागिता से राजस्थान दिवस पर आयोजित सप्तम् गौरव पुरस्कार एवं सम्मान समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्र.कु. कविता ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि हमें भारतीय संस्कृति के सकारात्मक चिंतन की ओर पुन: आना होगा।

डॉ. के.डी. स्वामी,कुलपति,सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय ने कहा कि समाज द्वारा दिया गया सम्मान व पुरस्कार महत्वपूर्ण होता है न कि पुरस्कार की राशि। उन्होंने साहित्यकार समाज का दर्पण होता है, समाज के वर्तमान स्वरूप को देखते हुए नये साहित्य के सृजन की आवश्यकता है।

चौधरी हरीसिंह कुम्हेर,पूर्व पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री,राजस्थान ने कहा कि देश के विज्ञान की उन्नति में आयुर्वेद का महत्वपूर्ण योगदान है।

भरतपुर। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान मंचासीन हैं ब्र.कु.कविता, डॉ.के.डी.स्वामी, चौधरी हरीसिंह कुम्हेर, पं.रामकिशन एवं ब्र.कु.अमरसिंह।

पं. रामकिशन,पूर्व सांसद ने कहा कि भौतिकवाद एवं आध्यात्मिकवाद दोनों मानव जीवन को समृद्ध बनाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने आह्वान किया कि हम कलियुग में रहते हुए भी सतयुग के मानदण्डों को अपने जीवन में उतारें। सभी वक्ताओं ने पुरस्कार प्राप्त करने वाली कु. निशा शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

ब्र.कु. अमरसिंह,एडवोकेट ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रन्यास का मुख्य लक्ष्य है कि अधिक से अधिक प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित कर समाज में गौरवान्वित किया जाये।

श्री हिन्दी साहित्य समिति की ओर से स्वागत करते हुए मोहनबल्लभ शर्मा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी एवं प्रन्यास के प्रयासों की सराहना की।

सप्तम् गौरव पुरस्कार प्राप्तकर्ता कु. निशा शर्मा का परिचय प्रन्यासी डॉ. ओमप्रकाश शर्मा ने दिया जबकि समान मंचीय अतिथियों द्वारा किया गया तथा पुरस्कार राशि 21,000 रुपये प्रन्यास अध्यक्ष ब्र.कु. अमरसिंह,एडवोकेट ने भेंट की। ब्र.कु. निशा ने अपने उद्बोधन में सम्मान के प्रति आभार पेज 11 पर शेष

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 170 रुपये, तीन वर्ष 510 रुपये, आजीवन 4000 रुपये । विदेश - 2000 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 4th April 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।